राष्ट्रीय एकता दिवस

राष्ट्रीय एकता दिवस 2022 पर भारत के केंद्रीय गृह मंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 147वीं जयंती पर याद करते हुए कहा कि इन्होनें अपनी दूरदर्शिता से एक मजबूत और एकजुट भारत के सपने को साकार किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस

- भारत में प्रतिवर्ष 31 अक्तूबर को **सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस** को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसे **राष्ट्रीय एकता दिवस** भी कहते हैं।
    - इस दिन को मनाने के पीछे का कारण **लोगों को एकजुट करना और समाज के उत्थान के लिये उनके विचारों से अवगत कराना है।**
    - इसे **पहली बार वर्ष 2014 में** मनाया गया था।
- इस दिन सरदार पटेल के राष्ट्रीय अखंडता और एकता में योगदान के विषय में जागरूकता फैलाने के लिये **'रन फॉर यूनिटी (Run For Unity)'** जैसे विभिन्न आयोजन किये जाते हैं।
- वर्ष 2018 में सरदार पटेल की 143वीं जयंती के अवसर पर भारत सरकार ने सरदार वल्लभभाई पटेल के सम्मान में गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण किया था।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी:

- **स्टैच्यू ऑफ यूनिटी विश्व की सबसे ऊँची (182 मीटर) मूर्ति है।** यह **चीन की स्प्रिंग टेम्पल बुद्ध प्रतिमा** (Spring Temple Buddha statue) से 23 मीटर ऊँची तथा अमेरिका में स्थित **स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी** (93 मीटर लंबा) की ऊँचाई की लगभग दोगुनी है।
- जनवरी 2020 में इसे शंघाई सहयोग संगठन में आठ अजूबों में शामिल किया गया था।

सरदार वल्लभभाई पटेल:

//

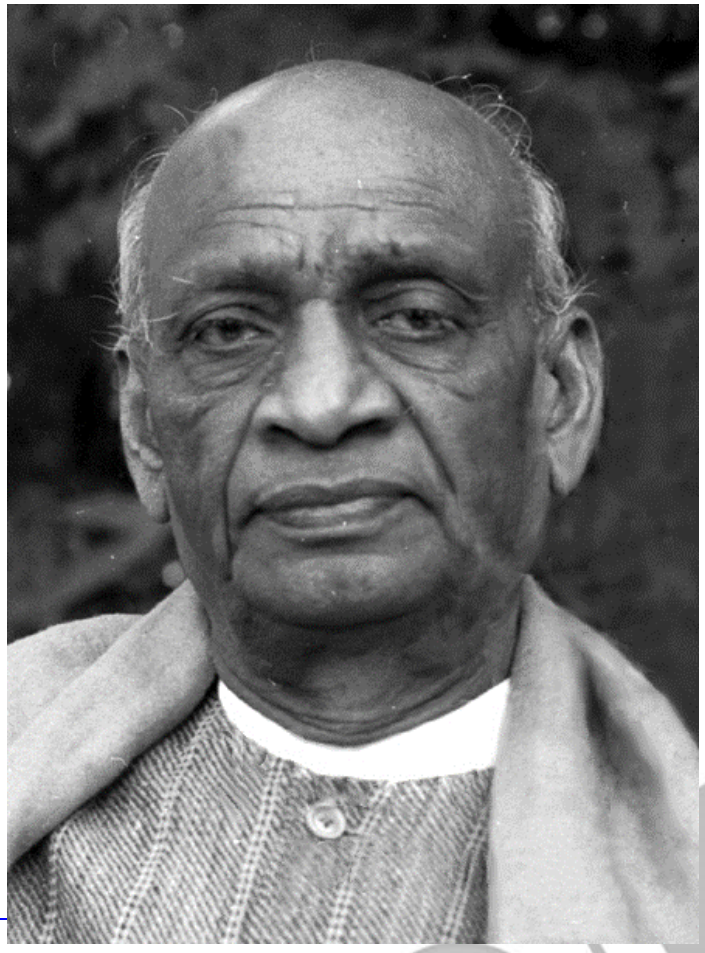

- **परिचय:**
  - सरदार पटेल का जन्म 31 अक्तूबर, 1875 को नाडियाड गुजरात में हुआ था।
  - वे **भारत के प्रथम गृह मंत्री और उप-प्रधानमंत्री थे।**
  - भारतीय राष्ट्र को **एक संघ बनाने (एक भारत)** तथा **भारतीय रियासतों के एकीकरण** में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी।
    - उन्होंने **श्रेष्ठ भारत** (अग्रणी भारत) बनाने के लिये भारत के लोगों से एकजुट होकर रहने का अनुरोध किया।
    - यह विचारधारा अभी भी **आत्मनिर्भर भारत पहल** में परिलक्षित होती है जो भारत को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करती है।
  - आधुनिक अखिल भारतीय सेवा प्रणाली की स्थापना के कारण उन्हें **'भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत'** के रूप में भी याद किया जाता है।
- **संविधान निर्माण में भूमिका:**
  - उन्होंने भारत की संविधान सभा की विभिन्न समितियों का नेतृत्व किया, अर्थात्:
  - **मौलिक अधिकारों** पर सलाहकार समिति।
  - **अल्पसंख्यकों** और **जनजातीय** एवं बहिष्कृत क्षेत्रों पर समिति।
  - प्रांतीय संविधान समिति।
- **प्रमुख योगदान:**
  - **उन्होंने शराब के सेवन, छुआछूत, जातिगत भेदभाव और गुजरात एवं उससे बाहर महिला मुक्ति के लिये बड़े पैमाने पर काम किया।**
  - उन्होंने राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ **खेड़ा सत्याग्रह** (वर्ष 1918) और **बारदोली सत्याग्रह** (वर्ष 1928) में किसान हित को एकीकृत किया।
    - बारदोली की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि दी, जिसका अर्थ है **'प्रमुख या नेता'।**
  - वर्ष 1930 के **नमक सत्याग्रह** (प्रार्थना और उपवास आंदोलन) के दौरान सरदार पटेल ने तीन महीने कैदियों की सेवा की।
  - मार्च 1931 में पटेल ने भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के **कराची अधिवेशन (46वें सत्र)** की अध्यक्षता की, जिसे गांधी-इरविन समझौते की पुष्टि करने के लिये बुलाया गया था।
- **रियासतों का एकीकरण:**
  - सरदार पटेल ने लगभग **565 रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।**
    - त्रावणकोर, हैदराबाद, जूनागढ़, भोपाल और कश्मीर जैसी कुछ रियासतें भारत राज्य में शामिल होने के खिलाफ थीं।
    - सरदार पटेल ने रियासतों के साथ आम सहमति बनाने के लिये अथक प्रयास किया लेकिन जहाँ भी आवश्यक हो,**साम, दाम, दंड और भेद के तरीकों को अपनाने में संकोच नहीं किया।**
  - उन्होंने **नवाब द्वारा शासित जूनागढ़ और निज़ाम द्वारा शासित हैदराबाद की रियासतों को जोड़ने के लिये बल का प्रयोग किया था** , ये दोनों अपने-अपने राज्यों का भारत संघ के साथ विलय नहीं होने देना चाहते थे।
  - सरदार वल्लभभाई पटेल ने ब्रिटिश भारतीय क्षेत्र के साथ-साथ रियासतों का बिखराव और भारत के बाल्कनीकरण को रोका।

- सरदार वल्लभभाई पटेल ने रियासतों को ब्रिटिश भारतीय क्षेत्र के साथ एकजुट किया, **जिससे भारत को खंडित होने से रोका गया।**
    - उन्हें भारतीय रियासतों के एकीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने और रियासतों के भारतीय संघ के साथ गठबंधन करने हेतु राजी करने के लिये **"भारत के लौह पुरुष"** के रूप में जाना जाता है।

- **देहांत:**
    - **15 दिसंबर, 1950** को बॉम्बे में।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन क्रिप्स मिशन के साथ आधिकारिक कॉन्ग्रेस वार्ताकार थे? (2010)

(a) महात्मा गांधी और सरदार पटेल
(b) आचार्य जे. बी. कृपलानी और सी. राजगोपालाचारी
(c) पंडित नेहरू और मौलाना आज़ाद
(d) डॉ. राजेंद्र प्रसाद और रफी अहमद किदवई

उत्तर: (c)

प्रश्न. 1931 में सरदार पटेल की अध्यक्षता में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के कराची अधिवेशन के लिये मौलिक अधिकारों और आर्थिक कार्यक्रम पर संकल्प का मसौदा किसने तैयार किया? (2010)

(a) महात्मा गांधी
(b) पंडित जवाहरलाल नेहरू
(c) डॉ. राजेंद्र प्रसाद
(d) डॉ. बी. आर. अम्बेडकर

उत्तर: (b)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-unity-day-2022